दिनांक 07.06.2025
प्रेस विज्ञप्ति 10/2025

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 से प्रशिक्षु प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग के पुलिस उपाधीक्षकों की भेंट वार्ता

श्री राजीव कृष्ण पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा आज दिनांकः 07.06.2025 को प्रान्तीय पुलिस सेवा के 91 वें बैच के 34 पुलिस उपाधीक्षकों से भेंट वार्ता की गयी। प्रान्तीय पुलिस सेवा के उक्त बैच में 34 पुलिस उपाधीक्षकों में 25 पुरुष एवं 09 महिला अधिकारी है जिसमें उत्तर प्रदेश से 33 एवं मध्य प्रदेश से 01 अधिकारी है

उक्त पुलिस उपाधीक्षकों का प्रशिक्षण दिनांकः 20.05.2024 को डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद में शुरू हुआ एवं दिनांकः 04.06.2025 को प्रशिक्षण समाप्त हुआ एवं दिनांकः 06.06.2025 को इनकी पासिंग आउट परेड हुई।

उल्लेखनीय है कि उक्त प्रशिक्षुओं में से 11 परास्नातक हैं, जिनमें से 02 एम0एस0सी0 एवं 09 एम0ए0 डिग्री धारक हैं तथा 23 स्नातक हैं, जिनमें से 01 एम0बी0बी0एस0, 13 बी0टेक0, 06 बी0एस0सी0, 01 एल0एल0बी0 व 02 बी0ए0 की डिग्री धारक हैं।

प्रशिक्षु प्रान्तीय पुलिस सेवा के पुलिस उपाधीक्षकों को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक **श्री राजीव कृष्ण** ने प्रशिक्षुओं का ध्यान महत्वपूर्ण बिंदुओं की ओर आकृष्ट कियाः—

1— पुलिस महानिदेशक ने कहा कि क़ानून व्यवस्था में ब्रीफ़िंग अत्यंत महत्वपूर्ण है और ब्रीफिंग आवश्यक ही नहीं बल्कि एक कला है उन्होंने प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को निर्देशित किया कि क़ानून व्यवस्था ड्यूटियों में वह अपने अधीनस्थ फ़ोर्स को पूर्व से पर्याप्त ब्रीफ अवश्य करें।

2—फील्ड में अपने दिमाग़ से परिस्थितियों को समझते हुये अधीनस्थों के विचारों को भी सुनकर स्वविवेक से निर्णय लेने की आवश्यकता है।

3—उत्कृष्ट अधिकारी में तीन महत्वपूर्ण गुण यथा 1—Open mind, 2— Clear vision, 3— Good judgement अतिआवश्यक होते हैं।

4—प्रशिक्षण के दौरान आप को दी गयी फारेंसिंक साइंस, साइबर क्राइम, सर्विलांस एवं कानून की जानकारियां ही आपके कैरियर को आगे बढ़ाने में आपकी सहायक होंगी।

5– प्रशिक्षण की सिखलाई एवं फील्ड की व्यावहारिक चुनौतियों में विरोधाभास की स्थिति में अपने विवेक और निर्णय छमता का इस्तेमाल करना चाहिये।

6– पुलिस अधिकारी को अपने अधीनस्थों का सम्मान प्राप्त करने और फोर्स को कमांड करने के लिये स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना होता है।

7– सफल अधिकारी को proper knowledge, skill और attitude का समावेश करना चाहिये और positive attitude रखते हुये अपने ज्ञान का प्रयोग किया जाना चाहिये।

8– भविष्य की चुनौतियों एवं वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार फोर्स को तैयार करें।

9– आत्मविश्वास से भरे रहें और परिवर्तन के संवाहक (Change Agent) बने।

10– दो प्रमुख विषयों 1–जनशिकायत के गुणवत्तापूर्ण और त्वरित निस्तारण एवं 2– साइबर क्राइम को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखें।

11– पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा प्रशिक्षुओं से एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश पुलिस को साइबर क्राइम के विरुद्ध एक सशक्त फोर्स के रूप देश में प्रथम स्थान पर लाने के अपने उद्देश्य में उनके सार्थक योगदान की अपेक्षा की गयी।

12– जनपद में अपने व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान पुलिस की निचली पायदान (आरक्षी) से लेकर हर स्तर के पुलिस कर्मी से पुलिसिंग की बारीकियों को सीखें, अपनी समस्त जिज्ञासाओं का निवारण करें।

13– अपनी क्षमता को लगातार उच्चीकृत करते रहें और अपने समझ सदैव एक लक्ष्य रखें (sense of purpose)।

14– अपने क्षेत्र में अपने vision का प्रयोग करें एव व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान personnel management की स्किल्स सीखें।

भेंट वार्ता के अंत में पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा सभी प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षकों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी तथा पुलिस अकादमी के सर्वांग सर्वोत्तम प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक द्वारा अकादमी की तरफ से पुलिस महानिदेशक महोदय को मोमेन्टो भेंट किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती तिलोत्मा वर्मा, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं श्री राजीव सब्बरवाल, अपर पुलिस महानिदेशक डा0 भीम राव अम्बेडकर अकाडमी मुरादाबाद उपस्थित रहे।

पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश

पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश

पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश

पुलिस